भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1716

30 जुलाई, 2025 के लिए प्रश्न

सहकारी चीनी मिलों का सुदृढ़ीकरण

1716. श्री जयन्त बसुमतारी:
श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह:
डॉ. हेमंत विष्णु सवरा:
श्री कंवर सिंह तंवर:
श्री गोविंद मकथप्पा कारजोल:
श्री छत्रपाल सिंह गंगवार:
श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावा:
श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल:
श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा:
श्री विष्णु दयाल राम:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में चीनी मिलों की कुल संख्या कितनी है और पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा कर्नाटक सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार सहकारी चीनी मिलों की संख्या कितनी हैं;

(ख) क्या पूर्वोत्तर क्षेत्र में चीनी मिलों की भारी कमी है, और यदि हाँ, तो कितनी चीनी मिलें निष्क्रिय हैं/वित्तीय समस्याओं का सामना कर रही हैं और उन्हें पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है;

(ग) कर्नाटक में राज्यवार और ज़िलावार कितनी चीनी मिलें बंद हो गई हैं या वित्तीय समस्याओं का सामना कर रही हैं और उन्हें पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है;

(घ) सहकारी चीनी मिलों के सुदृढ़ीकरण करने के लिए राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) को अनुदान सहायता प्रदान करने की योजना का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार का बिहार में नई चीनी मिलें स्थापित करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(च) महाराष्ट्र में कठिनाइयों का सामना कर रही चीनी मिलों और सहकारी चीनी मिलों का ब्यौरा क्या है और पिछले तीन वर्षों के दौरान उन्हें ज़िला-वार कितनी सरकारी सहायता प्रदान की गई है?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया)

(क): चीनी मौसम 2024-25 में, देश भर में कुल 534 चीनी मिलें प्रचालनरत हैं, जिनमें से 199 चीनी मिलें सहकारी हैं।

चीनी मिलों की राज्यवार सूची नीचे दी गई है;

राज्य	**चीनी मौसम 2024-25 में चालू चीनी मिलों की संख्या**	**चीनी मौसम 2024-25 में चालू सहकारी चीनी मिलें**
आंध्र प्रदेश	5	1
बिहार	10	0
छतीसगढ़	4	4
गुजरात	15	13
हरियाणा	14	11
कर्नाटक	79	20
मध्य प्रदेश	22	2
महाराष्ट्र	200	100
ओडिशा	2	1
पंजाब	15	9
राजस्थान	1	0
तमिलनाडू	30	12
तेलंगाना	7	0
उत्तर प्रदेश	122	23
उत्तराखंड	8	3
कुल	**534**	**199**

(ख): पूर्वोत्तर क्षेत्र में 4 चीनी मिलें (असम-3, नागालैंड-1) बंद पड़ी हैं। चीनी मिलों की कमी मुख्य रूप से गन्ने की खेती के लिए प्रतिकूल जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियों के कारण है।

(ग): कर्नाटक सरकार के अनुसार, कर्नाटक में 17 चीनी मिलें बंद हैं या वित्तीय संकट का सामना कर रही हैं, इन चीनी मिलों का ज़िलावार विवरण **अनुबंध- क** पर है।

(घ): सरकार ने सहकारी चीनी मिलों (सीएसएम) को इथेनॉल संयंत्र या सह-उत्पादन संयंत्र स्थापित करने, कार्यशील पूंजी के लिए या सभी तीनों उद्देश्यों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु एनसीडीसी के माध्यम से एक योजना शुरू की है। मंत्रालय ने इस योजना के तहत एनसीडीसी को 1000 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2022-2023 में 500 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में 500 करोड़ रुपये) जारी किए हैं और एनसीडीसी ने 56 सीएसएम को 10,005 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता वितरित की है।

(ङ): राज्य सरकार बिहार राज्य चीनी निगम लिमिटेड की दो बंद चीनी मिलों, **सकारी और रैयाम**, को पुनर्जीवित करने की योजना बना रही है। साथ ही, राज्य सरकार ने सासामुसा चीनी मिल (परिसमापन में) की ई-नीलामी के लिए एनसीएलटी, कोलकाता पीठ में एक याचिका दायर की है।

बिहार सरकार ने व्यापक हित में नई चीनी मिल की स्थापना या मौजूदा चीनी मिल के विस्तार को प्रोत्साहित करने के लिए एक प्रोत्साहन नीति, 2014 की घोषणा की है, जिसमें पूंजी निवेश (संयंत्र और मशीनरी) पर 20% सब्सिडी, अधिकतम 15 करोड़ रुपये तक, जो भी कम हो, चीनी मिलों को दी जाती है।

(च): महाराष्ट्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, 21 सहकारी चीनी मिलें निष्क्रिय हैं और 19 सहकारी चीनी कारखानों को पट्टे/साझेदारी/संयुक्त उद्यम के आधार पर पुनर्जीवित किया गया है। इसके अतिरिक्त, एनसीडीसी ने 33 सहकारी चीनी कारखानों को वित्तीय सहायता प्रदान की है। विवरण इस प्रकार है।

जिले का नाम	**चीनी मिलों की कुल संख्या**	**कुल राशि करोड़ रुपये में**
सोलापुर	5	821.47
धाराशिव	1	94.00
पुणे	2	225.00
सततरा	3	506.00
जलगांव	1	34.74
बीड	2	177.76
लातूर	3	181.97
अहिल्यानगर	8	1004.70
कोल्हापुर	6	1095.98
सांगली	2	213.90
कुल	**33**	**4355.12**

• इसके अतिरिक्त, एमएससी बैंक ने 5 सहकारी चीनी कारखानों को सरकारी गारंटी पर वित्तीय सहायता प्रदान की है। विवरण इस प्रकार है।

जिले का नाम	**कारखानों की कुल संख्या**	**कुल राशि करोड़ रुपये में**
सोलापुर	2	204.31
बीड	1	150.00
पुणे	1	128.00
नांदेड़	1	147.69
कुल	**5**	**630.10**

*****

लोकसभा में दिनांक 30 जुलाई 2025 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न सं. 1716 के उत्तर के भाग (ग) में उल्लिखित अनुबंध

अनुबंध- क

क्रं.सं.	कर्नाटक में बंद हो गई या वित्तीय संकट का सामना कर रही चीनी मिलें
1	एमपीएम शुगर्स लिमिटेड, भद्रावती तालुका, शिमोगा जिला।
2	गंगावती शुगर्स, प्रगति सिटी, गंगावती तालुक, कोप्पल जिला.
3	भद्रा सहकारी चीनी कारखाना लिमिटेड, डोड्डाबती, दावणगेरे तालुका और जिला।
4	बीदर सहकारी चीनी कारखाना ग्राम हल्लीखेड़, हुमानाबाद तालुक, बीदर जिला।
5	मार्कंडेय सहकारी चीनी कारखाना लिमिटेड, काकती, बेलगावी जिला।
6	दक्षिण कन्नड़ सहकारी चीनी कारखाना लिमिटेड, ब्रह्मवार, उडुपी तालुक और जिला।
7	निरानी शुगर्स प्रा. लिमिटेड, (श्री श्रीराम सहकारी चीनी कारखाना लिमिटेड के पट्टेदार), चुंचनकट्टे, केआर नगर तालुक, मैसूर जिला।
8	बासवेश्वर सहकारी चीनी कारख़ाना लिमिटेड, किरीगेरी, हिरेकेरूर तालुक, हावेरी जिला।
9	गौरीबिदानूर सहकारी चीनी कारख़ाना लिमिटेड, गौरीबिदानूर, चिक्कबल्लापुर जिला।
10	महादेश्वर सहकारी चीनी कारखाना लिमिटेड, कोल्लेगला तालुक, चामराजनगर जिला।
11	वाणीविलास सहकारी चीनी कारख़ाना लिमिटेड, हिरियुर तालुका, चित्रदुर्ग जिला।
12	श्री देवी शुगर्स लिमिटेड, हरिगे, शिमोगा तालुक और जिला।
13	सल्लार जंग चीनी मिल्स लिमिटेड, मुनिराबाद, कुशतागी तालुक कोप्पल जिला।
14	इंडियन शुगर्स एंड रिफाइनरीज लिमिटेड, चित्तावदागी, होस्पेट तालुक, बेल्लारी जिला।
15	एसपीआर शुगर्स लिमिटेड कंचुगरनहल्ली, रामनगर तालुका और जिला।
16	सॉवरेन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, तेराडाला गाँव, जामखंडी तालुक, बागलकोट जिला।
17	सुंदरी शुगर्स लिमिटेड (काम्पली कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्री लिमिटेड), काम्पली, बेल्लारी जिला।